

अनौपचारिक वि. (तत्.) जो केवल औपचारिक या दिखावे भर के लिए न हो, जो उपचार-मात्र न हो, जिसमें बनावटीपन न हो, व्यावहारिक, गैर-रस्मी।

अनौपचारिक शिक्षा स्त्री. (तत्.) विद्यालय शिक्षा पद्धति से भिन्न अन्य माध्यमों द्वारा दी जाने वाली शिक्षा।

अनौरस वि. (तत्.) [अन्+औरस] 1. जो औरस (निजी संतान) न हो 2. जो कुलपरंपरा के अनुसार विवाहित अपनी पत्नी से उत्पन्न न हुआ हो 3. अवैध संतान या दत्तक पुत्र/पुत्री।

अन् अव्य. (तत्.) 1. व्याकरण के अनुसार निषेधार्थक नञ् अव्यय का रूप 2. इसे अभाव या निषेधसूचक शब्द बनाने के लिए स्वर से प्रारंभ होने वाले शब्द के पूर्व में लगाया जाता है जैसे- अनायास, अनंतर, अनुचित, हिंदी में इसी अर्थ में 'अंन' का भी प्रयोग होता है जैसे- 'अनकही'।

अन् उप. (तत्.) एक निषेध-सूचक उपसर्ग (उदा. अन्+अधिक=अनधिक)।

अन्न पुं. (तत्.) 1. खाद्य पदार्थ 2. अनाज 3. पकाया हुआ, भोज्य पदार्थ।

अन्नकूट पुं. (तत्.) कार्तिक शुक्ल प्रतिपदा को मनाया जानेवाला पर्व जिसमें श्रीकृष्ण को अर्पित विविध प्रकार के भोजनों का ढेर लगाया जाता है, अन्न का पहाड़ या ढेर।

अन्न देवता पुं. (तत्.) [अन्न+देवता] 1. अन्न रूपी देवता क्योंकि लोग अन्न खाकर ही दृष्टि, पुष्टि व शक्ति प्राप्त करते हैं 2. अन्न का देवता जिसकी कृपा से हमें विविध प्रकार के जीवनोपयोगी अन्न (अनाम) की प्राप्ति होती है।

अन्नकोष्ठ पुं. (तत्.) [अन्न+कोष्ठ] 1. अन्न सुरक्षित रखने का कोठा 2. अनाज रखने के लिए बनाया गया भंडार 3. धान्यागार, कोठिला।

अन्नक्षेत्र पुं. (तत्.) 1. वह विशेष स्थान जहाँ परोपकार की भावना से नित्य ही निर्धनों,

असहायों साधु-संतों व अपाहिजों आदि को भोजन या अन्न का वितरणा किया जाता है 2. असहायों/जरूरतमंदों के लिए बनाया गया अन्न वितरण का केंद्र का स्थान।

अन्नजल पुं. (तत्.) 1. भोजन और पानी, दाना-पानी; खान-पान 2. जीविका प्रयो. गांव के कहां भैया, मेरा अन्नजल तो परदेश में ही लिखा है मुहा. अन्नजल उठना- रहने का संयोग या सहारा न रहना; अन्नजल त्याग करना या छोड़ना- व्रत या उपवास करना।

अन्नजीवी वि. (तत्.) 1. जिनका जीवन अन्न पर आधारित है 2. जो अन्न का सेवन करके ही जीवित रहते हैं, अन्नसेवी, अन्नभोजी।

अन्नद वि. (तत्.) [अन्न+द] 1. अन्न प्रदान करने वाला 2. जीविका वृत्ति के रूप में अन्न देने वाला, स्त्री. 1. अन्नदा जैसे अंतरा धरा 2. देवी अन्नपूर्णा पार्वती का ही एक रूप।

अन्नदाता पुं. (तत्.) शा.अ. भोजन देने वाला, पालन कर्ता, पालन-पोषण करने वाला, प्रतिपालक।

अन्नदोष पुं. (तत्.) 1. जिस अन्न में कोई विकार आ जाने के कारण उसका सेवन दोषयुक्त हो गया हो 2. किसी प्रकार के दूषित अन्न के खाने से होने वाला कोई दोष या रोग 3. किसी कुपात्र से अन्न का दान लेने व शास्त्र या परंपरा विहित निषिद्ध अन्न के सेवन का दोष या पाप, जैसे- 1. उठहु विप्र निज निज गृह जाहू, है बड़ि हानि अन्न जनि खाहू" - रामचरितमानस. बालकांड)

अन्नद्वेष पुं. (तत्.) 1. रुग्ण अवस्था में या जन्म से कोई विकार के कारण अन्न या भोजन के प्रति होने वाली अरुचि या अनिच्छा 2. अन्न सेवन से होने वाली कोई विकृति या कष्ट।

अन्नपुट पुं. (तत्.) प्राणि. गल थैली, कीटों और पक्षियों की आहारनाल का आमाशय के पहले स्थित फूला हुआ भाग। crop, craw